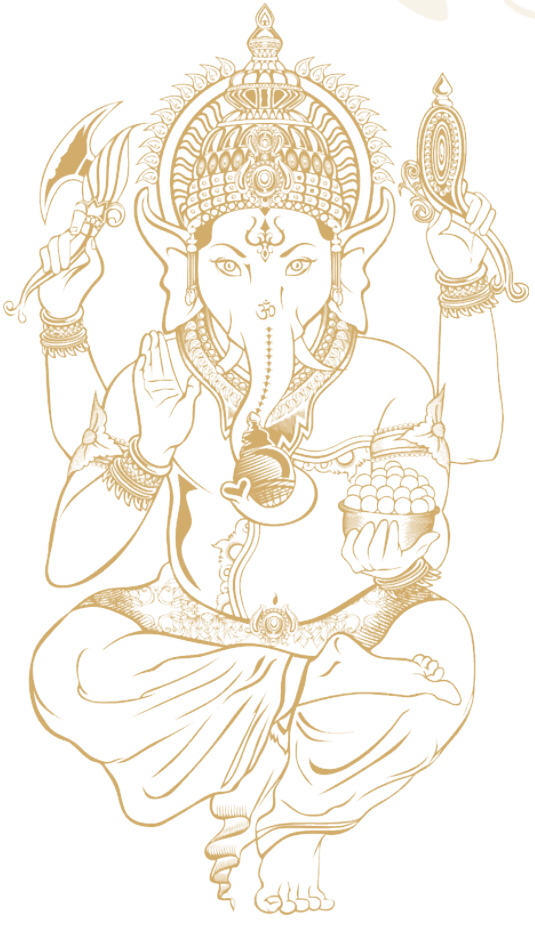

Saroj Chauhan

05 Jun 2006

04:00 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121580505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/06/2006**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	55:38:02 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:22:32 घंटे
वेलान्तर	00:01:45 घंटे
साम्पातिक काल	20:15:25 घंटे
सूर्योदय	05:44:47 घंटे
सूर्यास्त	19:26:52 घंटे
दिनमान	13:42:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:12:40 वृष
लग्न के अंश	20:37:57 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:37:57	431:39:11	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	20:12:40	00:57:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	00:47:56	11:50:02	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	06:45:06	00:36:12	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मिथु	08:38:53	01:44:21	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	स्वराशि
गुरु	व		तुला	16:28:21	00:05:18	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	13:32:36	01:10:17	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			कर्क	13:28:56	00:05:36	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	07:33:49	00:00:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
केतु			कन्या	07:33:49	00:00:14	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:41:56	00:00:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:49:22	00:00:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:47:03	00:01:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मक	07:39:47	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:48

लग्न-चलित

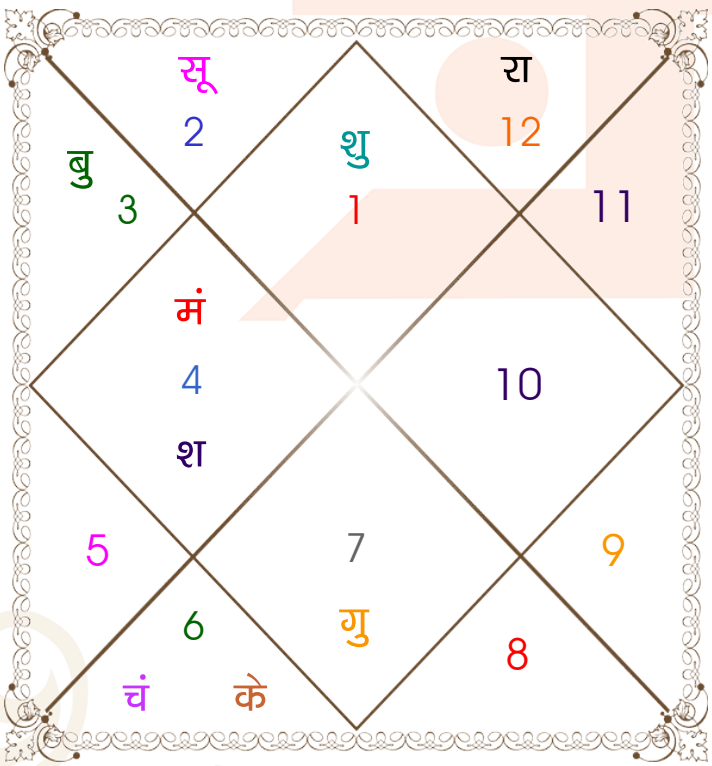

चन्द्र कुंडली

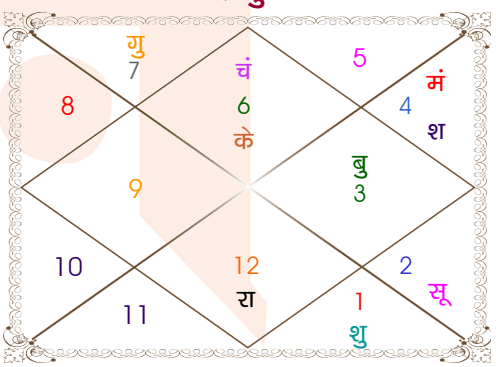

नवमांश कुंडली

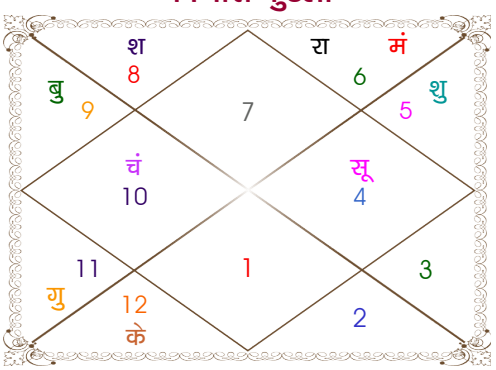

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 1 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/06/2006		26/07/2010		25/07/2020		26/07/2027		26/07/2045	
26/07/2010		25/07/2020		26/07/2027		26/07/2045		26/07/2061	
	00/00/0000	चंद्र	26/05/2011	मंगल	22/12/2020	राहु	07/04/2030	गुरु	13/09/2047
	00/00/0000	मंगल	25/12/2011	राहु	09/01/2022	गुरु	31/08/2032	शनि	26/03/2050
	05/06/2006	राहु	25/06/2013	गुरु	16/12/2022	शनि	08/07/2035	बुध	01/07/2052
राहु	13/08/2006	गुरु	25/10/2014	शनि	25/01/2024	बुध	24/01/2038	केतु	07/06/2053
गुरु	01/06/2007	शनि	26/05/2016	बुध	21/01/2025	केतु	12/02/2039	शुक्र	06/02/2056
शनि	13/05/2008	बुध	25/10/2017	केतु	19/06/2025	शुक्र	12/02/2042	सूर्य	24/11/2056
बुध	20/03/2009	केतु	26/05/2018	शुक्र	19/08/2026	सूर्य	06/01/2043	चंद्र	26/03/2058
केतु	26/07/2009	शुक्र	25/01/2020	सूर्य	25/12/2026	चंद्र	07/07/2044	मंगल	02/03/2059
शुक्र	26/07/2010	सूर्य	25/07/2020	चंद्र	26/07/2027	मंगल	26/07/2045	राहु	26/07/2061

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/07/2061		25/07/2080		26/07/2097		26/07/2104		26/07/2124	
25/07/2080		26/07/2097		26/07/2104		26/07/2124		00/00/0000	
शनि	29/07/2064	बुध	22/12/2082	केतु	22/12/2097	शुक्र	26/11/2107	सूर्य	13/11/2124
बुध	08/04/2067	केतु	19/12/2083	शुक्र	21/02/2099	सूर्य	25/11/2108	चंद्र	15/05/2125
केतु	16/05/2068	शुक्र	19/10/2086	सूर्य	29/06/2099	चंद्र	27/07/2110	मंगल	20/09/2125
शुक्र	17/07/2071	सूर्य	26/08/2087	चंद्र	28/01/2100	मंगल	26/09/2111	राहु	06/06/2126
सूर्य	28/06/2072	चंद्र	24/01/2089	मंगल	26/06/2100	राहु	26/09/2114		00/00/0000
चंद्र	27/01/2074	मंगल	21/01/2090	राहु	15/07/2101	गुरु	27/05/2117		00/00/0000
मंगल	08/03/2075	राहु	10/08/2092	गुरु	20/06/2102	शनि	26/07/2120		00/00/0000
राहु	12/01/2078	गुरु	16/11/2094	शनि	30/07/2103	बुध	27/05/2123		00/00/0000
गुरु	25/07/2080	शनि	26/07/2097	बुध	26/07/2104	केतु	26/07/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।